vkj fn'kk cny xbZ-----

,dj½ नमस्कार... आप सुन रहे हैं चुनाव आयोग की प्रस्तुति... ''और दिशा बदल गई...।''

QVk'k½ किया मुझे बर्बाद (आवाज़ आती है वाह... वाह...) ये आवाज़ कहां से आ रही है? ख़ैर, अर्ज़ किया है... किया मुझे बर्बाद मेरे टी.वी. ने, पकड़–पकड़ के मुझे, ख़ूब मारा, मेरी बीवी ने! हाय मर गया... मर गया... मर गया...।

[kpMk½ वाह... वाह... वाह... क्या बात कही है, फंटूश भई... कि... किया मुझे बर्बाद मेरे टी.वी. ने, पकड़–पकड़ के मुझे, खूब मारा मेरी बीवी ने... हाय मर गया... मर गया... मर गया...। ये जो आपने टी.वी. और बीवी का कनेक्शन किया है, दिल जीत लिया आपने तो... और इस हाय... हाय... ने तो जान ही ले ली फंटूश भाई। पर मारने की जगह आप, पकड़–पकड़ के धुना, बोलते, तो दिल को और भी ठंडक महसूस होती।

QVk'k½ अबे पैदाइशी दुश्मन मेरे... ऐसे ही पिटता रहा न, तो एक दिन हमेशा–हमेशा के लिए ठंडा पड़ जाऊंगा...। (कराहता है) अबे डाक्टर को बुला...।

[kpMk½ डाक्टर को बुलाया तो भाभी जान मुझे ठंडा कर देंगी हमेशा–हमेशा के लिए। कह कर गईं है कि जब तक वोटर लिस्ट में ऐजी. ओजी, सुनो जी अपना नाम दर्ज़ नहीं कराएंगे तब तक रोज़ पीटूंगी...।

QVk'k½ अच्छा उसने ऐसा कहा!

[kpMk½ तो क्या झूठ बोल रहा हूं मैं ? भाई रोज इतना पिटता है तो क्यों नहीं वोटरलिस्ट में नाम लिखवा कर किस्सा ख़त्म करता।

¼fc t yh xMxMkuk dk /ofu½

QVk'k½ लो आ गई बिजली...।

[kpMk½ चल तो फिर टी.वी. चला... आज करीना कपूर की चमेली आ रही है।

QVk'k½ अबेवो वाली बिजली नहीं, मेरी चमेली... मतलब... मेरी बिजली आ रही है।

fc t yh% हां जी,क्या सोचा...?

QV'k% अरे सोचूंगा तो तब न, जब ये बताओगी कि... मैं वोट क्यों दूं ?

fc t yh% ओह... ये बात पहले ही पूछ लेते कि क्यों मतदाता सूची में नाम दर्ज कराऊं?

[kpM% अरे पहले पूछ लेते तो इतना पिटना तो नहीं पड़ता भाभी के हाथों।

fc t yh% (हैरानी से) क्या कहा, पिटना...। किसने पीटा इनको।

[kpM% आ... आ... आ... आ... प... ने।

QV'k% आं... क्छी...। अबे जा यहां से, सबको जुक़ाम करेगा क्या... ?

fc t yh% (गुस्से में) रुको खचेडू भइया, ये मेरे बारे में चाहे जितनी अफ़वाहें फैलाते रहें, उनके बारे में नहीं पूछूंगी। पर आप से ज़रूर पूछूंगी कि ...आपने अपना नाम वोटर लिस्ट में देखा है कि नहीं ?

[kpM% नहीं देखा।

fc t yh% होगा तो देखोगे न... मुझे समझ नहीं आता कि इतने से छोटे काम के लिए तुम लोगों ने इतने साल क्यों लगा दिए...। अभी कह दो कि पचास कोस दूर नौटंकी हो रही है तो सुबह से अपनी बोरी लेकर वहां जाकर जम जाओगे। क्यों, ग़लत कह रही हूं ऐजी, ओजी, सुनो जी।

QV'k% हां ग़लत कह रही हो। नौटंकी होगी तो 50 क्यों, 100 कोस दूर देख कर आएंगे। अरे नौटंकी में मज़ा है, मनोरंजन है, ख़ुशी है, हंसी है, ...ये वोट–शोट में क्या है ?

[kpM% अरे है क्यों नहीं फंटूश भाई, कम्बल है..., पैसा है..., साड़ी है..., शराब है...।

fc t yh% ऐसा सोचा भी न खचेडू भइया, तो सारे गांव की औरतें, तुम्हारा, खचेड़–खचेड़ के खच्चर बना देंगी। और उसके बाद कोई नहीं कहेगा कि आप वोटर लिस्ट में नाम डलवाओ।क्योंकि खच्चर वोट नहीं डालते। आप

इसलिए वोटर लिस्ट में नाम नहीं डलवाना चाहते हैं कि आपको इसमें कोई फ़ायदा नज़र नहीं आता!

QVI'k% हां... और क्या...? जब फ़ायदा नहीं है तो हम क्यों मतदाता बनें... मैं... तो फ़ंटूश ही ठीक हूं जी, मतदाता बनने में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है।

[kpM% मुझे भी नहीं है दिलचस्पी मतदाता बनने में। मैं भी खचेडू ही ठीक हूं...।

fct yh% ऐजी, ओजी, सुनो जी..., एक बात कहूं... मज़ाक़–मज़ाक़ में...।

[kpM% कहो... कहो भाभी... आप भी कहो... प्रजातंत्र में सबको अपनी बात कहने का हक़ है। ...क्यों फंटूश भाई...। ग़लत कह रहा हूं।

QVI'k% (कटाक्ष करते हुए) हूं... हूं... प्रजातंत्र है बेटा, तभी तो मेरी जगह तू मेरी बीवी को बोलने की इजाज़त दे रहा है।

[kpM% माफ़ी भाई...। अब इतना भी लोकतंत्र का फ़ायदा नहीं उठाना चाहिए। आप ही दो इजाज़त अपनी बीवी को।

fct yh% देखा, ये है लोकतंत्र! इसका इस्तेमाल अपने मतलब के लिए तो पूरा–पूरा करते हैं, पर... पर वोट देने में अपना समय ख़राब करना समझते हैं।

QVI'k% तो क्या ग़लत समझते हैं ?

fct yh% क्या ग़लत समझते हैं? वो मैं बताती हूं। पर एक बात बताओ, कि अगर आपको मेरी बात समझ आई... तो आप आज ही मेरे साथ लोक शिक्षा केन्द्र चलोगे, मतदाता सूची में नाम डलवाने के लिए फारम भरने ?

QVI'k% हूं... ठीक है... बात जंची, तो जो तू कहे।

fct yh% हय... हय वारी जाऊं... तो सुनो...।

[kpM% मैं भी सुन लेता हूं...।

fc t yh% हां... हां ज़रूर... खचेडू भइया, आप तो ज़रूर सुनो...। अब ये बताओ कि आपने गांव की पंचायत के चुनाव में घूम–घूम कर सबसे ये क्यों कहा कि इस बार भी गांव की पंच सुनहरी को ही बनाएं।

QVl'k% अरे सीधी सी बात है कि वो अच्छा काम करती है, गांव के बारे में सोचती है। उसकी कोशिश से ही यहां अस्पताल बना, सड़क बनी और अब प्राइमरी स्कूल बनने वाला है।

[kpM% तभी तो भाभी, भइया ने पहली बार चुनाव में जान लगा दी उसको जितवाने में...। घर–घर जाकर प्रचार किया सुनहरी के लिए। और जब वो जीती तो भइया ने आगे बढ़–बढ़ के मिठाई बांटी... और खूब नाचे भी, ठींग–ठांग... ठींग–ठांग... ठींग... ये अच्छी बात नहीं है।

fc t yh% (हंसते हुए) खचेडू भाई, आप जो मुझे समझाने की कोशिश कर रहे हैं, वो मैं बाद में समझूंगी। पर पहले जो मैं समझाना चाहती हूं वो तो समझा लूं। आप छोटे स्तर के विकास से इतना खुश हैं, पर जब बड़े स्तर पर विकास होगा तो कैसा होगा ? ...ये सोचा है कभी ?

QVl'k% क्यों नहीं सोचा। सोचा है, पर बड़े स्तर का विकास सुनहरी के हाथ में नहीं है।

fc t yh% पर... विधायक के हाथ में तो है।

QVl'k% हां, पर... हम अपने विधायक को कहां जानते हैं, जो उठ कर उसके लिए वोट देने जाएं। सुनहरी को तो हम जानते–पहचानते हैं न।

[kpM% और अगर सुनहरी कुछ भी काम नहीं करेगी तो उसको क्या हम अगली बार जीतने देंगे... ? बिल्कुल... नहीं जीतने देंगे। ...पर किसी और नेता के बारे में हम कहां जानते हैं कि हम विधान सभा के चुनाव और लोकसभा के चुनाव में अपनी दिलचस्पी दिखाएं ?

QVl'k% पर जब से बिहा के आई है तब से पीछे पड़ी है कि मतदाता सूची में नाम लिखवा लो। ये पढ़ी–लिखी बीवी कभी–कभी बहुत भारी पड़ती है।

fc t yh% याद रखना ये बात... ऐजी, ओजी सुनोजी, आप ही एक दिन कहोगे कि पढ़ी–लिखी बीवी... बड़ी प्यारी लगती है।

QVi'k% अरे छोड़ो...।

fc t yh% ऐसे कैसे छोड़ दूंगी... सात फेरे लिए हैं जी...। अच्छा एक बात बताओ, हमारे गांव का बच्चा–बच्चा... लोकतंत्र क्या है ? कैसे वोट होता है ? कैसे पंच चुना जाता है ? सब जानने लगता... है न... मानते हो न। ...किसी को आज तक बताना पड़ा क्या इसके बारे में ? सब अपने आप, अपनी मर्ज़ी से इसमें शामिल होते हैं।

QVi'k% अरे क्यों न हों...। बच्चों के लिए तो ये त्यौहार सा हो जाता है।

fc t yh% बच्चे ख़ुश होते हैं... बड़े भी ख़ुश होते हैं कि जिस सरपंच को हम चुन कर ला रहे हैं, वो गांव की तरक़्क़ी करेगा। ...पर जब बड़े स्तर पर चुनाव की बात आती है तो हम ये कहने लग जाते हैं कि हमें क्या फ़ायदा... ?

QVi'k% तो... क्या ग़लत कहते हैं... तुम ही बताओ कि हमें क्या फ़ायदा... ?

fc t yh% फ़ायदे तो हैं, पर हम देखना और समझना ही नहीं चाहते। हम ये तो चाहते हैं कि गांव सुंदर, साफ़ बनें, सड़कें हों, स्कूल हों, विकास हो... पर हमारे दिमाग़ का विकास यहां आ के बंद हो जाता है कि जितना अच्छा मुखिया गांव का होना चाहिए, उतना ही अच्छा मुखिया प्रदेश और देश का भी तो होना चाहिए।

QVi'k% (मुंह बिचकाकर) हुंहुं। जैसे हमारे ही हाथ में है, हमारे नेता को चुनना।

fc t yh% हां... हमारे ही हाथों में है अपना नेता चुनना और विकास में अपनी भागीदारी निभाना। सिर्फ़ एक वोट से हम अपना विकास निश्चित कर सकते हैं।

[kpMh% विकास होना होगा तो वो तो वैसे भी हो जाएगा। हम वोट दें या न दें। किसको क्या फ़र्क़ पड़ता है ?

fc t yh% पड़ता है मेरे भाई... पड़ता है... बहुत पड़ता है। एक वोट... देश की क़िस्मत बना भी सकता है और बिगाड़ भी सकता है।

QV'k% फिर पहेलियां बुझाने लगी मेरी पढ़ी–लिखी बीवी। मुझे तो आज तक नहीं लगा कि एक वोट देने से देश की क़िस्मत बिगड़ी हो या बनी हो।

fc t yh% हम जिस नेता को नहीं चाहते, अगर वो हमारे क्षेत्र से चुन लिया जाये तो समझ में आता है कि ग़लती किसकी है। अगर आप वोट देते तो आपकी पसंद का नेता आता।

QV'k% पर मैं किसी नेता के बारे में जानता ही क्या हूं जो अपनी पसंद–नापसंद ज़ाहिर करूं ?

fc t yh% तो जानो न, किसने रोका है ? आप सीधे निर्वाचन अधिकारी से जाकर किसी भी नेता के बारे में सारी जानकारी ले सकते हैं।

QV'k% क्या बात कर रही हो ? ज़रा पूरी बात बताओ तो...।

fc t yh% आप ज़रा मतदाता सूची में नाम लिखाओ तो...।

QV'k% ठीक है, कल लिखाता हूं।

fc t yh% अरे... किसने देखा है कल ?

[kpM% तो भाई चल... लोक शिक्षा केन्द्र आज ही चल। अब फंटूश से मतदाता भी बन जा।

¼rhuks gl rs gq] lxhr dh /kqu ds lkFk ukVd lekIr gksrk g½

,d j% आप सुन रहे थे... चुनाव आयोग की प्रस्तुति... 'और दिशा बदल गई'।अगर आप भी 18 वर्ष के हो चुके हैं तो मतदाता सूची में अपना नाम ज़रूर जुड़वाएं। देर न करें। यह शुभ काम आज ही करें।

¼iqu% lxhr dh /ofuA /khjs&/khjs rst gksdj lekIr gksrk g½